बाल विज्ञान समाचार

अंक - 2 | दिनांक - 26 अक्टूबर, 2018 | स्थान: माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव, बेगूसराय

मेरे प्यारे बाल वैज्ञानिकों

बिहार राज्य के सभी बाल वैज्ञानिकों का स्वागत करते हुए हमारा विश्वास है की इस वर्ष भी राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में आप अपना परचम लहराएँगें | सफल आयोजन हेतु माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल एवं जिला आयोजन समिति बधाई के पात्र हैं, जिनके बिना यह संभव नहीं होता | प्राचार्या महोदया की कल्पना ने बाल विज्ञान कांग्रेस के कार्यक्रम में चार चाँद लगाया है जिसके लिए मैं सहर्ष बधाई देना चाहूँगा | बाल वैज्ञानिकों के अध्ययन से भारत का भविष्य सँवरेगा तथा वैज्ञानिक चेतना का निर्माण होगा | सभी विशिष्ठ बड़े लोगों को हमारी शुभकामनाएँ | बुलेटिन के प्रथम प्रकाशन हेतु बच्चों की टीम को बधाई |

आप का शुभेच्छु
सुरेश पी० वर्मा
अध्यक्ष,साइंस फॉर सोसाइटी, बिहार

आओ बच्चों कुछ बातें करें :-

सुप्रभात ! अच्छा लग रहा है न नए बातावरण में आकर | नए - नए दोस्तों से मिलना, अपनी बातें साझा करना, मोबाईल से तस्बीरें शेयर करना, अनेक तरह के खेल डाउनलोड करना | यही तो जिन्दगी की उमंग है | पर मैं तुमलोगों को आज एक बात बताने जा रही हूँ, जो कि मन को थोड़ी अखरती है | मैं आज तुमलोगों को ऐसे खेलों के नाम बताने जा रही हूँ, जो कि हमने अपनी काल्पनिक दुनिया में आकर भुला दिया है | हमारे बिहार राज्य में अनेक ऐसे खेल हैं जिन्हें हमने अपने बचपन में खेला था, कुछ नहीं खेला तो उन्हें भुला दिया | इक्खट दुक्खट, तीर धनुष, कोना - कोनी, रुमाल चोर, कबड्डी, गोली (कंचा), लट्टू, झूला, हुआ - हुई, डेंगा- पानी गुल्लीडंडा, पिट्टो, कटम - कुटी, चाँई - चूड़ी, पचोसी, गुड्डा - गुड्डी की शादी, आदि - आदि | क्यों ? मजा आ रहा है न | हमारे बिहार में सत्रह पारंपरिक खेल हैं | इन खेलों को हमारे मानसिक शारीरिक तथा संज्ञानात्मक विकास के लिए बनाया गया है | इन खेलों में दौड़ने वाले खेल हैं जैसे - लुक्का छिपी, हुआ हुई, रुपया चोर डेंगा पानी और पिट्टो हैं | कुछ उछल कूद वाले खेल जैसे इक्खट दुक्खट, कुछ कौशल विकसित करने वाले खेल जैसे - गोली लट्टू, पतंगबाजी, कुछ शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाले खेल जैसे - गुल्ली डंडा और कुछ फेंकने वाले खेल जिसमें तीर - धनुष प्रमुख हैं |

ये सारे खेल हमारी काल्पनिक दुनिया अथवा मोबाईल में खेले जाने वाले खेल से अलग हैं | अतः बच्चों, चलो हम भी इन खेलों को खेलें | बड़ा मजा आता है |

मेरे साथ आओगे ना ? सबसे पहले हम कागज की नाव बनाएंगे और फिर झूला झूलेंगे |

डॉ० कुमारी निमिषा
पटना

बन - ठन निकली विज्ञान रैली

''यही हमारा नारा है, पर्यावरण बचाना है''

विज्ञान को अपनाएगें, अंधविश्वास मिटायेगें

''जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान''

ऐसे ही कई सारे नारों की गूंज के साथ बच्चों की टोली हाथों में नारे की तख्ती लिए सड़को पर बढ़ी चली जा रही थी | कुछ ऐसा ही नजारा 25 अक्टूबर की सुबह बेगूसराय के सड़को पर देखने को मिला | मौका था, 26वीं० राज्य स्तरीय बाल विज्ञान सम्मेलन का | पिछले 25 वर्षों से NCSC द्वारा यह प्रतियोगिता तीन स्तरों (जिला राज्य और राष्ट्र) पर आयोजित होती आ रही है और इस वर्ष अपने 26वीं वर्ष पर बाल विज्ञान सम्मेलन प्रतियोगिता राज्य स्तर पर बेगूसराय के माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव, बेगूसराय में आयोजित की गई है, तीन दिनों तक चलने वाली इस विज्ञान प्रतियोगिता का शुभारंभ साइंस मार्च पास्ट से किया गया, जिसमें विभिन्न जिलों से आए सभी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया | लंबी - लंबी कतारों में कतारबद्ध बच्चों की विज्ञान रैली बेगूसराय के गाँधी मैदान से जी० डी० कॉलेज तक गई | इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों में विज्ञान की भावना को उजागर करना था | इस रैली का उद्घाटन बेगूसराय के जिलाधिकारी (D.M) राहूल कुमार एवं S.P अवकाश कुमार ने किया एवं सफल आयोजन के लिए बधाईयाँ दी |

25 अक्टूबर की झलकियाँ :-

उद्घाटन सत्र :-

नई सुबह, कई रंगों की किरणें बादल - से गुजर - गुजर कर आई | 25 अक्टूबर को 26 वी० राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन बहुत ही अदभुत नजारें के साथ हुआ जहाँ धुप और छाँव के मेल ने पूरा दृश्य रंगीन कर दिया | अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया, उसके बाद उन्हें मोमेंटो व स्टॉल देकर सम्मानित भी किया गया |उद्घाटन की शुरुआत माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा देवा श्री गणेशा, माँ शारदे - शारदा गानों पर नृत्य कर हुआ | स्कूल के प्राचार्या श्रीमती शीतल देवा ने सभी अतिथियों, बाल विज्ञानिकों का अभिवादन करते हुए सबका धन्यवाद किया व स्वागत भाषण भी दिया | उन्होंने कहा - सोचने - जानने के इच्छुक बच्चें अपने आस पास की समस्याओं को दर्शाते है मुख्य विषय के अंतर्गत | इनके अलावा अतिथियों में डॉली सिन्हा, प्रतिकुलपति, पटना विश्वविद्यालय ने भी बच्चों के उत्साह में कई बातों का जिक्र किया | उन्होंने कहा मुझे ख़ुशी है की आप के साथ रूबरू हुई, आपको मेरी ओर से शुभकामनाएँ | जिंदगी हिंदी फिल्मों जैसी नहीं होती जो रातों - रात किसी को सफलता मिले बल्कि कार्य के प्रति ईमानदारी व निष्ठा ही कामयाबी के द्वार खोलती है |'' कुछ और उत्साहवर्धक बातों के साथ कार्यक्रम की समाप्ति राष्ट्रगान गाकर की गई | अतिथियों में डी० बी० एन० दास, संजीव कुमार सिंह, फुलगेन पूर्वे, मनीष देवा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्तिथ रहे |

तकनिकी सत्र :-

उद्घाटन के बाद बच्चे, सभी निर्णायकों के सामने अपनी परियोजना कार्य की प्रस्तुति के लिए जुट गए हालांकि बच्चे काफी उत्साहित रहे | बिहार के कोने-कोने से आए बाल वैज्ञानिकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी साथ ही साथ निर्णायकों के सवालों का भी बखूबी जवाब दिया | कुछ बाल वैज्ञानिकों से बात करने पर उनका एहसास व उनके परियोजना कार्यों के बारे में पता चला | रिशु कुमार, पश्चिम चंपारण से आए " सॉलिड कचरा प्रबंधन एंड्रॉयड एप्लीकेशन संसाधन" नई तकनीक का सराहनीय इस्तेमाल किया | आस्था कुमारी, सहरसा में स्वच्छ भारत अभियान के विषय पर स्वच्छता पर अपनी परियोजना से पूरा जोर डाला |

प्रीतम कुमार व् अर्पित कुमार, पटना ने जल व्यवस्था पर खास जोड़ डालते हुए समाज की समस्याओं का हल ढूंढा | एक्ने बाथरूम के गंदे दीवारों को वाईपर सिस्टम द्वारा साफ करने का यंत्र बनाया वही एक्ने भूजल में आर्सेनिक की मात्रा आ जाने के बाद अलौकिक पता करने वाला सेंसर और फिल्टर बनाया | इसके अलावा और भी कई बेहतरीन परियोजनाएं रही |

Program Sequence – 26/10/2018

1. Technical Session – II – 09:00 am to 01:00 pm
2. Poster Presentation – 09:00 am to 01:00 pm
3. Science Workshop – 09:00 am to 01:00 pm
4. Painting Competition – 09:00 am – 01:00 pm
5. Poster Presentation – 03:00 pm to 05:00 pm
6. Display of Charts – 03:00 pm to 05:00 pm
7. Face to Face – 06:00 pm to 07:00 pm
8. Cultural Programme – 07:00 pm to 08:30 pm

नए तरीके से :-

25 अक्टूबर को स्कूल में बाल विज्ञान कांग्रेस की प्रतियोगिता के साथ साथ कुछ नए और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम भी हुए जिसमें राकेश कुमार सिंह ने नैनो टेक्नोलॉजी, पर चर्चा व ज्ञान साझा किया वहीं प्रोफेसर बी एन दास ने कई रोज की जिंदगी से जुड़ी विज्ञान के प्रयोग करके दिखाएं जिसे देखकर लोगों को मजा आ गया |

फेस - टू - फेस अभिलाषाओं की उड़ान:-

एक ऐसा कार्यक्रम जहाँ बच्चों की अभिलाषाओं की उड़ान को खूब जानकारों ने पंख लगाए, बाल वैज्ञानिकों के मन में उठे सवालों का जबाब प्रसिद्ध जानकारों में दिया |

जानकारों में डॉ० सी० एस० झा (जन्तु विज्ञान), डॉ० कुमारी निमिषा (रसायन विज्ञान), वी० एन० गुप्ता (बनस्पति विज्ञान), एन० पी० राय (बनस्पति विज्ञान), प्रो० एस० एन० पाण्डेय (भूगोल), मदन लाल सिंह (भूगोल), राकेश कुमार सिंह (भौतिकी), हजारी लाल साह (भौतिकी), सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ, पहले दिन के कार्यक्रम की समाप्ति हुई |

विशिष्ट उपलब्धियाँ / प्रतिभायें

अजय कुमार (नवादा)
बाल वैज्ञानिक 2008
प्रोजेक्ट इंजिनियर
टाटा कन्सलटेन्सी सर्विस, पुणे

इंजिनियर सत्यम कुमार (पूर्णिया)
बिहार गौरव पुरस्कार प्राप्त
बाल वैज्ञानिक 2009
स्टार्टअप इंडिया के तहत
2 कंपनियों को संस्थापक-सह-संचालक

डॉ० मुकेश कुमार (पश्चिमी चमपरण)
बाल वैज्ञानिक 1999
पी० एच० डी०(Zoology), विज्ञान शिक्षक
राजकीय उच्य माध्यमिक विद्यालय पं० चंपारण